क्रियात्मक पक्ष

physical · sc pedagogy

(Conative or Psychomotor Domain)

हमारे व्यवहार का क्रियात्मक पक्ष गतिवाही कौशल (Motor skill) तथा ऐसी क्रियाओं में प्रगट होता है जिनके लिये हमारी मांसपेशीय (Muscular) एवं आंगिक गतियों की आवश्यकता होती है। (Objectives dealing with muscular or motor skills such as mainpulation of apparatus, come under this category)

क्रियात्मक पक्ष के स्तर निम्न हैं—

Scanned with CamScanner

(1) उत्तेजना (Impulsion) : इसमें कार्य के प्रति उत्तेजना लाई जाती है।

(2) कार्यवाही (Mainpultion) : बालक उत्तेजना के आधार पर गत्यात्मक क्रिया सम्पादित करता है।

(3) नियन्त्रण (Control) : इसके द्वारा बालक अपनी क्रिया को साधता है।

(4) समायोजन (Co-ordination) : इसमें कई क्रियाओं पर नियन्त्रण के आधार पर उनके मध्य समायोजन लाया जाता है।

(5) स्वाभाविकरण (Naturalisation) : इसके अन्तर्गत कार्य करने की एक शैली बन जाती है और एक विशेष गति एवं ढंग से कार्य सम्पादित होता है।

(6) आदत अथवा कौशल (Habit or Skill) : इसके अन्तर्गत कार्य करते रहने की शैली एक आदत बन जाती है।

E.J. Simpson ने क्रियात्मक पक्ष के स्तर निम्न बताये हैं—

(1) प्रत्यक्षीकरण (Perception)

(2) व्यवस्था (Set)

(3) निर्देशात्मक अनुक्रिया (Guided Response)

(4) कार्यप्रणाली (Mechanism)

(5) जटिल प्रत्यक्ष अनुक्रिया (Complex overt Response)

व्यवहार के इन तीनों पक्षों में परस्पर समन्वय एवं सामन्जस्य रहता है।

क्रियात्मक पक्ष का विवरण इस प्रकार है—

1. प्रत्यक्षीकरण (Perception)
   (i) निर्मित करना (to construct)
   (ii) रेखाचित्र खींचना (to sketch)
2. व्यवस्था (Set)
   (i) प्रारूप बनाना (to design)
   (ii) बनाना (to make)
3. निर्देशित अनुक्रिया (Guided Response)
   (i) पहचानना (to identify)
   (ii) स्थापित करना (to fix)
4. कार्य प्रणाली (Mechanism)
   (i) मरम्मत करना (to mend)
   (ii) अभ्यास करना (to drill)
5. जटिल प्रत्यक्ष अनुक्रिया (Complex Overt Response)
   (i) जोड़ना (to connect)
   (ii) सृजन (to create)

Scanned with CamScanner

(iii) परिवर्तित करना (To change)

(iv) स्थानीयकरण करना (To locate)

Bloom's Taxonomy

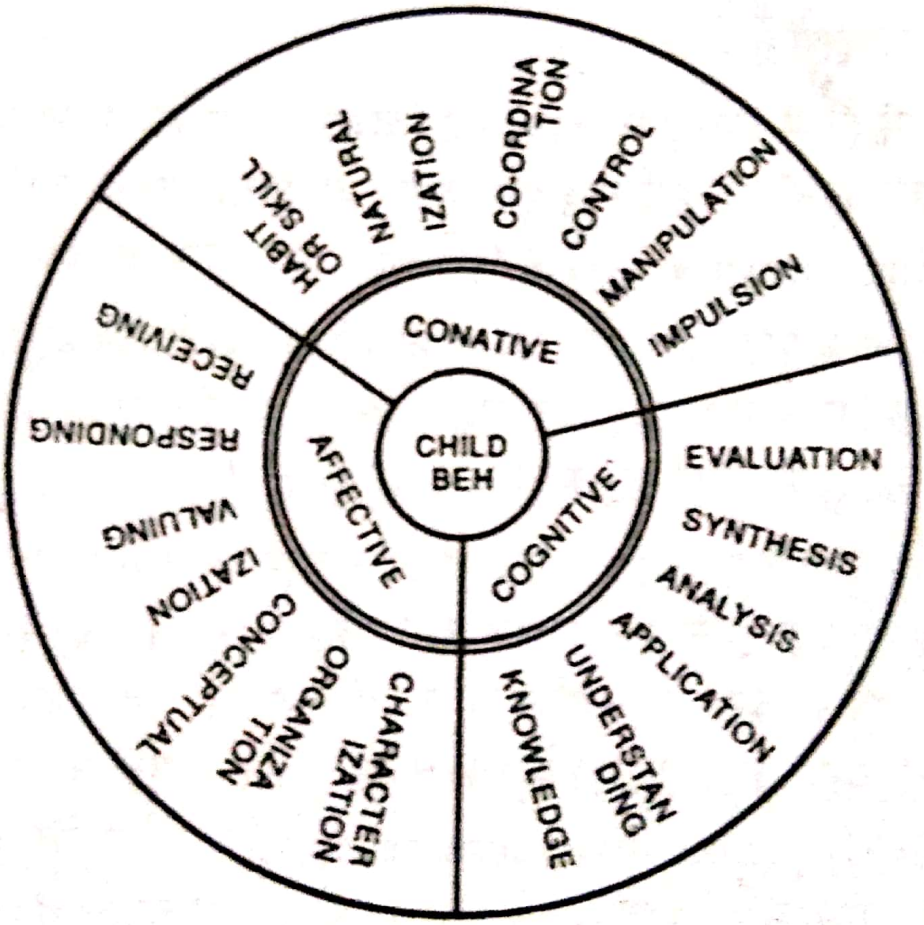

Scanned with CamScanner